The Pioneer November 26, 2016

Govt: Niche markets to boost handloom, handicraft exports

NEW DELHI: Textiles Ministry is eyeing niche overseas markets to boost domestic handloom and handicraft exports as many global companies are willing to tie up with Indian weavers and artisans, a top official said on Friday. "There is a huge scope for promoting Indian handloom and handicraft products in the niche markets world over," Textiles Secretary Rashmi Verma said at an Assocham event here. She said that though overseas shipments of most sectors declined, handicraft exports continued to grow at 17 per cent.

The Textiles Secretary said that all stakeholders should make efforts to engage with local artisans and weavers and hand-hold them for ensuring that they get right price and market for their products. Verma said the ministry has signed memoranda of understanding (MoUs) with 20 e-commerce firms to engage with artisans and weavers in various handloom and handicraft clusters and provide them a direct marketing platform. "This will go a long way in ensuring that they get the rightprice for their product as they are able to sell their product directly to the consumer," she said.

Verma said the Government is taking measures for skilling weavers, for giving them design inputs, quality raw material, tools and upgrading their looms to empower them so that they continue to remain engaged in this craft. "We are finding that younger generation is slowly getting disinterested in this sector and moving towards information technology (IT) as the children of the weavers and artisans are not joining this profession," she observed. **PTI**

Rajasthan Patrika November 26, 2016

मेक इन इंडिया...

भारत को स्वदेशी लग्जरी ब्रांड की है जरूरत : नीति आयोग

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

नई दिल्ली. भारत में देसी लग्जरी ब्रांड बनाने की जरूरत को फोकस करते हुए नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कांत ने शुक्रवार को कहा कि वृद्धि का दायरा बढ़ेगा और यह टियर-1 शहरों से टियर-2 और टियर-3 शहरों का रुख करेगा।

औद्योगिक संगठन एसोचैम के यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कांत ने कहा, 'भारत को इटली और फ्रांस की तरह अपने खुद के लग्जरी ब्रांड बनाने चाहिए क्योंकि ब्रांड आपको एक समय के बाद

कीमत प्रदान करते हैं। यदि आप चाहते हैं कि भारत में लक्जरी बाजार का विस्तार हो और यह वृद्धि करे तो यह बहुत आवश्यक है वृद्धि का यह दायरा टियर-1 शहरों से टियर-2 और टियर-3 शहरों की ओर फैले।' उन्होंने कहा, 'टियर-1 शहरों का किराया बहुत उंचा है और यह इसलिए है क्योंकि जमीन का मूल्य बहुत ऊंचा है। हमें कम लागत पर जमीन देने की जरूरत है।

नोटबंदी का उठा सकते हैं फायदा

कांत ने कहा, 'नोटबंदी से जमीनों की कीमतों में समय रहते कमी आएगी और यह हमारे लग्जरी बाजार को बढ़ाने में मदद करेगा।' उन्होंने कहा कि यूरोप और अमरीका में लक्जरी बाजार उन लोगों का है जो 1946 से 1964 के बीच जन्मे और उनकी आबादी लगातार बूढ़ी होती जा रही है जबकि भारत की आबादी लगातार जवान हो रही है।

Rashtriya Sahara November 26, 2016

देश में अपने लक्जरी ब्रांड बनाने की जरूरत

▶ थिंक टैंक नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत ने दिया यह सुझाव

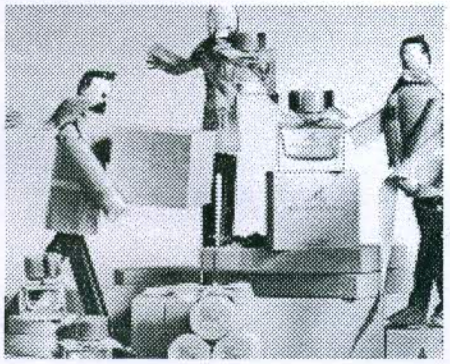

नई दिल्ली (एसएनबी)। भारत में देसी लक्जरी ब्रांड बनाने की जरूरत को रेखांकित करते हुए नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत ने शुक्रवार को कहा कि वृद्धि का दायरा बढ़ेगा और यह टियर-1 शहरों से टियर-2 और टियर-3 शहरों का रुख करेगा।

औद्योगिक संगठन एसोचैम के यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कांत ने कहा, 'भारत को इटली और फ्रांस की तरह अपने खुद के लक्जरी ब्रांड बनाने चाहिए क्योंकि ब्रांड आपको एक समय के बाद कीमत प्रदान करते हैं। यदि आप चाहते हैं कि भारत में लक्जरी बाजार का विस्तार हो और यह वृद्धि करे तो यह बहुत आवश्यक है वृद्धि का यह दायरा टियर-1 शहरों से टियर-2 और टियर-3 शहरों की ओर फैले।' उन्होंने कहा, 'टियर-1 शहरों का किराया बहुत ऊंचा है और यह इसलिए है क्योंकि जमीन का मूल्य बहुत ऊंचा है। लक्जरी बाजार को बढ़ना होगा, हमें स्थान को कम लागत पर देने की जरूरत है।' कांत ने कहा कि यूरोप और अमेरिका में लक्जरी बाजार उन लोगों का है जो 1946 से 1964 के बीच जन्मे और उनकी आबादी लगातार बूढ़ी होती जा रही है जबकि भारत की आबादी लगातार जवां हो रही है और यह 2040 तक जवान बनी रहेगी इसलिए भारत में लक्जरी बाजार बढ़ता रहेगा।

ASSOCHAM IN THE NEWS

Jansatta

November 26, 2016

हस्तशिल्प निर्यात के लिए सरकार की महंगे बाजारों पर निगाह

नई दिल्ली, 25 नवंबर (भाषा)।

कपड़ा मंत्रालय घरेलू हथकरघा और हस्तशिल्प निर्यात के लिए महंगे विदेशी बाजारों की ओर देख रहा है। एक शीर्ष अधिकारी ने कई वैश्विक कंपनियां भारतीय बुनकरों और दस्तकारों के साथ भागीदारी करने को इच्छुक हैं। कपड़ा सचिव रश्मि वर्मा ने शुक्रवार को एसोचैम के कार्यक्रम में कहा- दुनिया में महंगे बाजारों में भारतीय हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों के लिए व्यापक संभावनाएं हैं।

Pioneer (Hindi) November 26, 2016

भारत में अपने लक्जरी ब्रांड बनाने की जरूरत: नीति आयोग

नई दिल्ली। भारत में देसी लक्जरी ब्रांड बनाने की जरूरत को रेखांकित करते हुए नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कांत ने आज कहा कि वृद्धि का दायरा बढ़ेगा और यह टियर-। शहरों से टियर-2 और टियर-3 शहरों का रूख करेगा।

औद्योगिक संगठन एसोचैम के यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कांत ने कहा कि भारत को इटली और फ्रांस की तरह अपने खुद के लक्जरी ब्रांड बनाने चाहिए क्योंकि ब्रांड आपको एक समय के बाद कीमत प्रदान करते हैं। यदि आप चाहते हैं कि भारत में लक्जरी बाजार का विस्तार हो और यह वृद्धि करे तो यह बहुत आवश्यक है वृद्धि का यह दायरा टियर-। शहरों से टियर-2 और टियर-3 शहरों की ओर फैले। उन्होंने कहा कि टियर-। शहरों का किराया बहुत ऊंचा है और यह इसलिए है क्योंकि जमीन का मूल्य बहुत ऊंचा है। लक्जरी बाजार को बढ़ना होगा, हमें स्थान को कम लागत पर देने की जरूरत है। सौभाग्य से मेरे अनुसार नोटबंदी से जमीनों की कीमतों में समय रहते कमी आएगी और यह हमारे लक्जरी बाजार को बढ़ाने में मदद करेगा। कांत ने कहा कि यूरोप और अमेरिका में लक्जरी बाजार उन लोगों का है जो 1946 से 1964 के बीच जन्मे और उनकी आबादी लगातार बूढ़ी होती जा रही है जबकि भारत की आबादी लगातार जवां हो रही है और यह 2040 तक जवान बनी रहेगी इसलिए भारत में लक्जरी बाजार बढ़ता रहेगा।

Naya India

November 26, 2016

भारत में अपने लक्जरी ब्रांड बनाने की जरूरत

नई दिल्ली ■ भाषा/डेस्क

भारत में देसी लक्जरी ब्रांड बनाने की जरूरत को रेखांकित करते हुए नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कांत ने आज कहा कि वृद्धि का दायरा बढेगा और यह टियर-1 शहरों से टियर-2 और टियर-3 शहरों का रूख करेगा।

औद्योगिक संगठन एसोचैम के यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कांत ने कहा, भारत को इटली और फ्रांस की तरह अपने खुद के लक्जरी ब्रांड बनाने चाहिए क्योंकि ब्रांड आपको एक समय के बाद कीमत प्रदान करते हैं। यदि आप चाहते हैं कि भारत में लक्जरी बाजार का विस्तार हो और यह वृद्धि करे तो यह बहुत आवश्यक है वृद्धि का यह दायरा टियर-1 शहरों से टियर-2 और टियर-3 शहरों की ओर फैले। उन्होंने कहा, टियर-1 शहरों का किराया बहुत उंचा है और यह इसलिए है क्योंकि जमीन का मूल्य बहुत उंचा है। लक्जरी बाजार को बढना होगा, हमें स्थान को कम लागत पर देने की जरूरत है। सौभाग्य से मेरे अनुसार नोटबंदी से जमीनों की कीमतों में समय रहते कमी आएगी और यह हमारे लक्जरी बाजार को बढाने में मदद करेगा। कांत ने कहा कि यूरोप और अमेरिका में लक्जरी बाजार उन लोगों का है जो 1946 से 1964 के बीच जन्मे और उनकी आबादी लगातार बूढी होती जा रही है जबकि भारत की आबादी लगातार जवां हो रही है और यह 2040 तक जवान बनी रहेगी इसलिए भारत में लक्जरी बाजार बढता रहेगा।